CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 04 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

प्रजातंत्र के तीन मुख्य अंग हैं-कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका। प्रजातंत्र की सार्थकता एवं दृढ़ता को ध्यान में रखते हुए और जनता के प्रहरी होने की भूमिका को देखते हुए मीडिया (दृश्य, श्रव्य और मुद्रित) को प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में देखा जाता है। समाचार-माध्यम या मीडिया को पिछले वर्षों में पत्रकारों और समाचार-पत्रों ने एक विश्वसनीयता प्रदान की है और इसी कारण विश्व में मीडिया एक अलग शक्ति के रूप में उभरा है।

कार्यपालिका और विधायिका की समस्याओं, कार्य-प्रणाली और विसंगतियों की चर्चा प्राय: होती रहती है और सर्वसाधारण में वे विशेष चर्चा के विषय रहते ही हैं। इसमें समाचार-पत्र, रेडियो और टी०वी० समाचार अपनी टिप्पणी के कारण चर्चा को आगे बढ़ाने में योगदान करते हैं, पर न्यायपालिका अत्यंत महत्वपूर्ण होने के बावजूद उसके बारे में चर्चा कम ही होती है। ऐसा केवल अपने देश में ही नहीं, अन्य देशों में भी कमोबेश यही स्थिति है।

स्वराज-प्राप्ति के बाद और एक लिखित संविधान के देश में लागू होने के उपरांत लोकतंत्र के तीनों अंगों के कर्तव्यों, अधिकारों और दायित्वों के बारे में जनता में जागरूकता बढ़ी है। संविधान-निर्माताओं का उद्देश्य रहा है कि तीनो अंग परस्पर ताल-मेल से कार्य करेंगे। तीनों के पारस्परिक संबंध भी संविधान द्वारा निर्धारित, फिर भी समय के साथ-साथ कुछ समस्याएँ उठ खड़ी होती हैं। आज लोकतंत्र यह महसूस करता है कि न्यायपालिका में भी अधिक पारदर्शिता हो, जिससे उसकी प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़े। 'जिस देश में पंचों को परमेश्वर मानने की परंपरा, वहाँ न्यायमूर्तियों पर आक्षेप दुर्भाग्यपूर्ण है।'

i. लोकतंत्र के तीनों अंगों का नामोल्लेख कीजिए। चौथा अंग किसे माना जाता है? **(2)**
ii. लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **(2)**
iii. अत्यंत महत्वपूर्ण अंग होने के बावजूद न्यायपालिका के बारे में मीडिया में कम चर्चा क्यों होती है? **(2)**
iv. 'पारदर्शिता' से क्या तात्पर्य है? **(2)**
v. मीडिया के कोई दो उदाहरण दीजिए। **(1)**
vi. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'सजावट' और 'लिखावट' में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
   a. सज + आहट, लिख + आहट
   b. सजाव + वट , लिखा + वट
   c. सज + आवट , लिख + आवट
   d. सजाना + आवट, लिखाना + आवट
3. 'रोमांचक' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
   a. रोमान + अन्चक
   b. रोम + अनचक
   c. रोम + आंचक
   d. रोमांच + अक
4. 'पर' उपसर्गयुक्त शब्द हैं -
   a. प्रचार, प्रकाश
   b. प्रमाण, प्रकार
   c. परदादा, परनाना
   d. प्रसन्न, प्रमुख
5. 'प्रत्युपकार' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
   a. प्रतु + उपकार
   b. प्रत्यु + उपकार
   c. प्रति + उपकार
   d. प्रत + उपकार
6. 'जीवन का साथी' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।
   a. जीवनसाथी - समस्त पद
      अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम
   b. साथीजीवन - समस्त पद
      संबंध तत्पुरुष समास - समास का नाम
   c. जीवनसाथी - समस्त पद
      संबंध तत्पुरुष समास - समास का नाम
   d. जीवनसाथी - समस्त पद
      कर्मधारय समास - समास का नाम
7. साफ़ - साफ़ - शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
   a. साफ़ होने वाला - समास विग्रह
      कर्मधारय समास - समास का नाम

b. सफाई के अनुसार - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

c. जितना साफ हो - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

d. बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

8. 'वचनामृत' शब्द के लिए उचित समास विग्रह और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

a. अमृत के समान वचन - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

b. अमृत के समान वचन - समास विग्रह

तत्पुरुष समास - समास का नाम

c. वचन के समान अमृत - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

d. वचन के समान अमृत - समास विग्रह

तत्पुरुष समास - समास का नाम

9. 'शरण में आगत' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

a. शरणागत - समस्त पद

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

b. शरणागत - समस्त पद

द्विगु समास - समास का नाम

c. शरणागत - समस्त पद

कर्मधारय समास - समास का नाम

d. शरणागत - समस्त पद

अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम

10. यदि सामाजिक दूरी, साफ -सफाई आदि का पालन किया जाता तो कोरोना महामारी को इतना फैलने से रोका जा सकता था ।
-अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं ।

a. प्रश्नवाचक वाक्य

b. निषेधवाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. संदेहवाचक वाक्य

11. तुम क्या समझे ? - अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं ।

a. प्रश्नवाचक वाक्य

b. इच्छावाचक वाक्य

c. संदेहवाचक वाक्य

d. संकेतवाचक वाक्य

12. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए - " उसने कोई उपाय नही छोड़ा। "

a. आज्ञावाचक

b. निषेधवाचक

c. विधानवाचक

d. इच्छावाचक

13. काश ! मैं अरूण जितना अमीर होता। - अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद बताओ।

a. संदेहवाचक वाक्य

b. आज्ञावाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. इच्छावाचक वाक्य

14. निम्नलिखित पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए-

तीन बेर खातीं ते वे तीन बेर खाती हैं।

a. उत्प्रेक्षा

b. रूपक

c. उपमा

d. यमक

15. जहाँ किसी व्यक्ति का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जाए, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है ?

a. उत्प्रेक्षा

b. मानवीकरण

c. अतिशयोक्ति

d. यमक

16. निम्नलिखित पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए-

वन शारदी चन्द्रिका-चादर ओढ़े।

a. रूपक

b. उपमा

c. उत्प्रेक्षा

d. श्लेष

17. जहाँ एक वस्तु में दूसरी की संभावना या कल्पना हो, वहाँ कौन-सा अलंकार होता हैं ?

a. उत्प्रेक्षा

b. अतिशयोक्ति

c. उपमा

d. रूपक

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. **निम्नलिखित गद्यांशों और उनके नीचे दिए गए प्रश्नोत्तरों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-**

अपना यों बेचा जाना उन्हें अच्छा लगा या बुरा, कौन जाने, पर झूरी के साले गया को घर तक गोईं ले जाने में दाँतों पसीना आ गया। पीछे से हाँकतो तो दोनों दाएँ-बाएँ भागते, पगहिया पकड़कर आगे से खींचता, तो दोनों पीछे को ज़ोर लगाते। मारता तो दोनों सींग नीचे करके हुँकारते। अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती, तो झूरी से पूछते-तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो? हमने तो तुम्हारी सेवा करने में कोई कसर नहीं उठा रखी। अगर इतनी मेहनत से काम न चलता था तो और काम ले लेते। हमें तो तुम्हारी चाकरी में मर जाना कबूल था। हमने कभी दाने-चारे की शिकायत नहीं की। तुमने जो कुछ खिलाया, वह सिर झुकाकर खा लिया, फिर तुमने हमें इस ज़ालिम के हाथ क्यों बेच दिया?

प्रश्न

i. गया के साथ जाते हुए हीरा-मोती के मन में उठनेवाले भावों का वर्णन कीजिए।
ii. गया जब बैलों को अपने साथ ले जा रहा था तब वे दोनों अपनी प्रतिक्रिया किस प्रकार व्यक्त कर रहे थे?
iii. ज़ालिम किसे कहा गया है और क्यों?

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. **साँवले सपनों की याद** शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।
b. डाँड़े के देवता का स्थान कहाँ था? उसे किस प्रकार सजाया गया था?
c. उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?
d. हीरा-मोती ने कांजीहौस में बंद जानवरों का जीवन किस प्रकार बचाया?
e. प्रेमचन्द के फटे जूते पाठ के सन्दर्भ में आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है?

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खुग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कुल कदंब की डारन।।

i. रसखान श्री कृष्ण का सानिध्य पाने के लिए क्या-क्या कामना करते हैं?
ii. पक्षी बनकर कवि यमुना किनारे कदंब के पेड़ पर ही क्यों रहना चाहता है?
iii. निर्जीव रूप में कवि ने क्या इच्छा प्रकट की है?

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. वाख कविता के आधार में भाव स्पष्ट कीजिए-

खा-खाकर कुछ पाए नहीं,
न खाकर बनेगा अहंकारी।

b. **काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-**

हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भूँकन दे झख मारि।

c. भाव स्पष्ट कीजिए- मृदुल वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!
d. 'कैदी और कोकिला' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।
e. काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए- या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है? बच्चे काम पर जा रहे हैं कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
b. लेखिका ने डालमिया नगर में नारी-चेतना जगाने का प्रसार किस प्रकार किया?
c. गोपाल प्रसाद एम.ए. से बेहतर किसे मानते हैं और क्यों? रीढ़ की हड्डी पाठ के सन्दर्भ में बताइए।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
   - बचत का अर्थ एवं स्वरूप
   - दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
   - वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

b. **मेरे सपनों का भारत** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
   - भारत के बारे में मेरे विचार
   - सांप्रदायिकता आदि से मुक्त उन्नत भारत की चाह
   - सुखी समृद्ध भारत

c. **ग्लोबल वार्मिंग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
   - ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है?
   - दुष्परिणाम
   - बचाव तथा उपसंहार

24. आप नवीं कक्षा में पढ़ने वाले आशीष हो। आपने एक कविता लिखी है। इसके प्रकाशन हेतु दैनिक जागरण के संपादक को पत्र लिखिए।

OR

आपका छोटा भाई छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसने आपसे परीक्षा की तैयारी के लिए मार्ग-दर्शन चाहा है। परीक्षा की तैयारी की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

25. दो मित्रों में परस्पर होने वाली बातचीत को लिखिए।

OR

अपने भाई के जन्मदिवस पर मित्र को आमंत्रित करते हुए दूरभाष पर होनेवाले को संवाद लिखिए।

26. **परीक्षा संकट में फंसा बेचारा विद्यार्थी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

गंगा नदी से हुई एक मुलाकात विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 09 - Hindi A

Sample Paper 04 (2020-21)

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. लोकतंत्र के तीन मुख्य अंग हैं-कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका। चौथा अंग मीडिया को माना जाता है। इसमें दृश्य, श्रव्य व मुद्रित मीडिया होते हैं।
   ii. लोकतंत्र में मीडिया की अहं भूमिका है। यह कार्यपालिका व विधायिका की समस्याओं, कार्य-प्रणाली तथा विसंगतियों की चर्चा करती है, पर न्यायपालिका पर किसी प्रकार की टिप्पणी करने से बचती है।
   iii. न्यायपालिका प्रजातंत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, परंतु इसकी चर्चा मीडिया में कम होती है, क्योंकि उसमें पारदर्शिता अधिक होती है। दूसरे, न्यायपालिका अपने विशेषाधिकारों के प्रयोग से मीडिया को दबा देती है।
   iv. 'पारदर्शिता' का अर्थ है-आर-पार दिखाई देना या संदेह में न रखना। न्यायपालिका लोकतंत्र की रक्षिका है, परंतु न्यायाधीशों पर आक्षेप लगने लगे हैं। अत: लोकतंत्र न्यायपालिका में पारदर्शिता चाहता है।
   v. समाचार-पत्र, रेडियो और टी०वी०
   vi. शीर्षक-मीडिया और लोकतंत्र। अथवा, प्रजातंत्र के अंग।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (c) सज + आवट , लिख + आवट

   Explanation: 'सजावट' और 'लिखावट' शब्द में 'सज' और 'लिख' क्रमशः मूल शब्द हैं और दोनों में ही 'आवट' प्रत्यय है।
3. (d) रोमांच + अक

   Explanation: 'रोमांचक' शब्द में 'रोमांच' मूल शब्द है और 'अक' प्रत्यय है।
4. (c) परदादा, परनाना

   Explanation: 'परदादा' और 'परनाना' शब्द में 'पर' उपसर्ग है और 'दादा' और 'नाना' क्रमशः मूल शब्द हैं ।
5. (c) प्रति + उपकार

   Explanation: 'प्रत्युपकार' में प्रति उपसर्ग और उपकार मूल शब्द है।
6. (c) जीवनसाथी - समस्त पद

   संबंध तत्पुरुष समास - समास का नाम

   Explanation: 'का' कारक चिह्न के कारण संबंध तत्पुरुष समास है। साथी का जीवन के साथ संबंध बताया गया है।
7. (d) बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ अव्ययीभाव समास है क्योंकि ये दोनों ही पद अव्यय हैं।
8. (a) अमृत के समान वचन - समास विग्रह

   कर्मधारय समास - समास का नाम

Explanation: उपमेय - उपमान का संबंध होने के कारण यहाँ कर्मधारय समास है।

9. (d) शरणागत - समस्त पद

   अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम

   Explanation: 'शरणागत' शब्द में 'में' अधिकरण कारक के कारक चिह्न का प्रयोग होने के कारण यहाँ अधिकरण तत्पुरुष समास है।

10. (c) संकेतवाचक वाक्य

    Explanation: एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर होने के कारण यहां संकेतवाचक वाक्य है ।

11. (a) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: यहां प्रश्न पूछा जा रहा है ।

12. (b) निषेधवाचक

    Explanation: 'नही' का प्रयोग निषेधवाचक वाक्य में किया जाता है ।

13. (d) इच्छावाचक वाक्य

    Explanation: यहां वक्ता की इच्छा व्यक्त की गई है ।

14. (d) यमक

    Explanation: यमक I स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में 'तीन बेर' का अर्थ है- तीन बार तथा तीन बेर। 'तीन बेर' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार भिन्न अर्थ में हुई है। अत: यहाँ 'यमक' अलंकार है।

15. (c) अतिशयोक्ति

    Explanation: अतिशयोक्ति I

    जैसे-आगे नदिया पड़ी अपार घोड़ा कैसे उतरे पार।

    राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।

16. (a) रूपक

    Explanation: रूपक। स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में वन शारदी उपमेय में चन्द्रिका-चादर आदि उपमानों का आरोप किया गया है,अत: यहाँ 'रूपक' अलंकार है।

17. (a) उत्प्रेक्षा

    Explanation: उत्प्रेक्षाI जैसे- मुख मानो चाँद है।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. गया के साथ जाते हुए हीरा-मोती के मन में अनेक प्नकार के विचार उत्पन्न हो रहे थे। वे सोच रहे थे कि झूरी ने उन्हें गया के हाथों क्यों बेच दिया। झूरी का ऐसा करना उन्हें अच्छा नहीं लग रहा था। यदि ईश्वर ने उन्हें बोलने की शक्ति दी होती तो वे झूरी से पूछते कि उसने उन्हें अपने घर से यूँ क्यों निकाला ? वे कहते कि हमारी इतनी मेहनत से काम नहीं चल रहा था तो और मेहनत करवा लेते। इसके अलावा वे सोच रहे थे कि उन दोनों ने कभी चारे-पानी की शिकायत भी झूरी से नहीं की थी।

    ii. गया जब बैलों को ले जा रहा था तो वे किसी तरह वहाँ से जाने को राज़ी नहीं हो रहे थे। गया उन्हें पीछे से हाँकता तो वे दोनों दाएँ-बाएँ भागते और आगे को खींचता तो वे पीछे को ज़ोर लगाकर रास्ते पर आगे न बढ़ते थे। यदि गया उन्हें मारता

तो वे सींग नीचे करके हुँकारते। वे झूरी से बहुत लगाव रखते थे इसलिए इस तरह वे अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे ।

iii. यहाँ झूरी के साले को ज़ालिम कहा गया है क्योंकि वह हीरा-मोती को यातना देने के अलावा मार-पीट कर बलपूर्वक ले जा रहा था रहा था।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. 'सांवले सपने' प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी सालिम अली की मनमोहक इच्छाओं का प्रतीक है। वे जीवन भर पक्षियों की सुरक्षा और खोज के सपनों में खोए रहे। उनका सपना था पक्षियों के बारे में अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करना, जिसे वे आजीवन सच करने में लगे रहे और इसे साकार भी किया इसलिए आज उनके न रहने पर लेखक को उन सांवले सपनों की याद आती है जो सालिम अली की आँखों में मृत्युपर्यंत तक बसे हुए थे। स्मरण में लेखक ने प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली के व्यक्तित्व एवं मुख्यतः उनके पक्षी प्रेम का वर्णन किया है। अतः पाठ का यह शीर्षक सार्थक तो है पर गहरा रहस्यात्मक है।

b. डाँड़े के देवता का स्थान उस चोटी पर था जो सबसे ऊँची थी। उस स्थान को जानवरों की हड्डियों और से पत्थरों के ढेर से सजाया गया था। वहाँ पर जानवरों के सींग भी रखे हुए थे । इसके आसपास रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियाँ लगाई गई थीं।

c. उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न होने के कारण यात्रियों को हमेशा अपने जान और माल का खतरा रहता था। वहाँ के लोग आत्मरक्षा के लिए लाठी के समान खुलेआम पिस्तौल और बंदूक लेकर घूमते रहते हैं। वहाँ अनेक निर्जन स्थान हैं, जहाँ डाकुओं का खतरा रहता है | डाकू पहले यात्रियों को मारते हैं फिर उसका सामान लूटते हैं | वहाँ की सरकार ख़ुफ़िया विभाग और पुलिस पर कम खर्चा करती है जिससे उन स्थानों पर पुलिस का भी प्रबंध नहीं होता है।

d. हीरा और मोती ने देखा कि कांजीहौस में अनेक जानवर बंद हैं | वे सभी भोजन और पानी न मिलने के कारण अधमरे-से हो रहे हैं। दिनभर चारा न मिलने और भूख से व्याकुल होने के कारण क्रोधित हीरा ने दीवार गिरानी शुरू कर दी | मोती और हीरा के निरंतर परिश्रम से आधी दीवार गिर गई। यह देख सबसे पहले घोड़ियाँ भागीं फिर भैंस और बकरियाँ भाग निकली । मोती ने सींग मार-मारकर गधों को भी कांजीहौस से भगा दिया। इस तरह उन्होंने वहाँ बंद सभी जानवरों का जीवन बचाया।

e. आज के समय में लोगों की सोच और दृष्टिकोण में बहुत परिवर्तन आ गया है। लोग व्यक्ति की वेशभूषा को देखकर ही उसका स्वागत-सत्कार करते हैं। इसकी वजह से गुणवान व्यक्ति अच्छे कपड़ों के अभाव में सम्मानीय नहीं बन पाता। लोग अपने कपड़ों के माध्यम से अपनी हैसियत प्रदर्शित करते हैं। सादा कपड़े पहनने वाले को तो आज पिछड़ा समझा जाने लगा है। आज का युवा वर्ग तो अपनी वेशभूषा के प्रति अधिक सजग हो गया है। समाज में अपना सम्मान बढ़ाने के लिए निम्न वर्ग भी सम्पन्न वर्ग के समान ही आचरण करने लगा है। वह अपनी हैसियत से बढ़कर अपनी वेशभूषा और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग हो गए हैं।

20. i. श्री कृष्ण का सान्निध्य पाने के लिए रसखान मनुष्य बन कर ब्रज के ग्वाल बालों के बीच रहने की कामना करते हैं। वे पशु बनने पर नंद की गायों के बीच चरने की कामना रखते हैं। उनकी इच्छा है कि वे अगले जन्म में पक्षी रूप में कदंब की डालों पर और पत्थर के रूप में गोवर्धन पर्वत पर बसने की कामना करते हैं।

ii. पक्षी के रूप में जन्म लेने पर कवि यमुना किनारे कदंब की डाल पर इसलिए बसेरा बनाना चाहता है क्योंकि उसी वृक्ष के नीचे कृष्ण मधुर बंशी बजाया करते थे तथा गोपियों के साथ रासलीला करते थे। उस वृक्ष से श्री कृष्ण की यादें जुड़ी होने के कारण कवि वहाँ बसेरा बनाना चाहता है।

iii. निर्जीव रूप में कवि चाहता है कि यदि अगले जन्म में वह पत्थर बने तो उसी गोवर्धन पर्वत का जिसे ब्रजवासियों की रक्षा

के लिए श्री कृष्ण ने अपनी उंगली पर उठाया था।

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. **भाव-** इन पंक्तियों में कवयित्री ने मनुष्य को सांसारिक भोग तथा त्याग के बीच का मध्यम मार्ग अपनाने की सलाह दी है। उनका मानना है कि विषय-वासनाओं में बंधने से मनुष्य को कुछ नहीं मिलने वाला और इनसे विमुख होकर त्याग की भावना को अपनाने से मनुष्य अहंकारी बन जाएगा इसलिए उसे माध्यम मार्ग अपनाना चाहिए।

b. **काव्य सौंदर्य**

भाव सौंदर्य- ज्ञान का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए कवि कहते हैं कि ज्ञान रूपी हाथी की सवारी मनुष्य को सहज गलीचा डालकर करनी चाहिए। ऐसा करते समय कुत्ता रूपी संसार उसकी आलोचना करता है तो मनुष्य को उसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। अर्थात मनुष्य को ज्ञान प्राप्ति में लगे रहना चाहिए। ऐसा करते हुए उसे आलोचना की परवाह नहीं करनी चाहिए।

शिल्प सौंदर्य-

i. सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग है। इसमें 'हस्ती', 'स्वान', 'ज्ञान' आदि तत्सम शब्दों का प्रयोग है।
ii. तुकांत युक्त इस रचना में स्वर मैत्री अलंकार है।
iii. रचना में भक्ति रस की प्रधानता है।

c. **भाव-** कोयल का स्वर अत्यंत मधुर और मृदुल होता है। उसका वैभव उसका स्वर है। प्राचीन समय में भारत की गणना वैभवशाली देशों में की जाती थी। इसे सोने की चिड़िया कहा जाता था। अंग्रेजों के अन्याय और अत्याचारपूर्ण शासन के बाद भी यहाँ का वह वैभव अभी भी शेष है। कोयल भी उसी मधुर वैभव की रखवाली करने वाली है। जेल के आसपास कोयल अपना मृदुल वैभव (मधुर स्वर) चिल्ला-चिल्लाकर क्यों लुटा रही है। कवि कोयल से इसका कारण जानना चाहते हैं।

d. 'कैदी और कोकिला' पाठ के माध्यम से पराधीन भारत में अंग्रेजी सरकार के शोषण, अन्याय और अत्याचार का मर्मस्पर्शी वर्णन किया है। स्वयं कवि भी स्वतंत्रता-सेनानी के रूप में जेल में बंदी है और अंग्रेजों के अत्याचार को सहन करने को विवश है। इसमें कैदियों के साथ किए जाने वाले अत्याचारों का वर्णन किया है। उसने कोयल के माध्यम से जनता को यह संदेश देना चाहा है कि यह समय मधुर गीत गाने का नहीं बल्कि मुक्ति के गीत गाने का है। उसकी बातों से जनता में अंग्रेजों के प्रति आक्रोश और भड़क जाता है। यही संदेश लेकर दिन में मधुर, कर्णप्रिय गीत सुनाने वाली कोयल भी अर्धरात्रि में वेदनाभरी आवाज में चिल्ला रही है। वह भी सुप्त जनता में क्रांति की ज्वाला भड़का रही है।

e. उक्त पंक्ति का काव्य-सौंदर्य निम्नलिखित है-

भाव-सौंदर्य- गोपी अपनी सखी के कहने पर श्रीकृष्ण के समान ही वस्त्राभूषण धारण तो कर लेगी पर वह श्रीकृष्ण की मुरली को अपने होंठों पर नहीं रखेगी। इस पंक्ति में गोपी का मुरली के प्रति ईर्ष्याभाव प्रकट हुआ है।

शिल्प-सौंदर्य-

i. काव्यांश में ब्रज भाषा की मधुरता निहित है।
ii. काव्यांश रचना सवैया छंद में है।
iii. 'य' तथा 'र' वर्गों की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।
iv. 'मुरली-मुरलीधर' तथा 'अधरान (होंठों पर) अधरा न (होंठों पर नहीं)' में यमक अलंकार है।
v. काव्यांश में माधुर्य गुण व्याप्त है।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. बच्चों का काम पर जाना धरती पर एक बड़े हादसे के समान है क्योंकि बच्चे राष्ट्र का भविष्य होते हैं। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ना-लिखना चाहिए तथा भविष्य का योग्य एवं सुशिक्षित नागरिक बनने की तैयारी करनी चाहिए, वे उस उम्र में बाल-मजदूरी करते हुए अपना भविष्य नष्ट कर रहे हैं। इस प्रकार न तो कोई समाज अपनी उन्नति कर सकता है और न ही देश। ऐसे देश का भविष्य निश्चित ही सुरक्षित नहीं है इसलिए बच्चों का भविष्य नष्ट होना किसी हादसे से कम नहीं है।

b. लेखिका शादी के बाद बिहार के छोटे से कस्बे डालमिया नगर में रहीं वहाँ समाज में इतना पिछड़ापन था कि मर्द-औरतें भले ही वे पति-पत्नी क्यों न हो, फिल्म देखते समय अलग-अलग बैठते थे। अभिनय की शौकीन लेखिका ने साल भर के प्रयास में वहाँ के स्त्री-पुरुषों को साथ-साथ नाटक करने के लिए राज़ी कर लिया। वे औरतें जो अपने पति के साथ फिल्में भी नहीं देखती थीं, अब वे पराए मर्द के साथ नाटक करने को तैयार हो गईं। लेखिका के साथ मिलकर उन्होंने अनेक नाटकों का मंचन किया और बाढ़ पीड़ितों के लिए धन एकत्र किया। इस तरह लेखिकाने नारी-चेतना जगाने का भरपूर प्रयास किया।

c. गोपाल प्रसाद अपने जमाने के मैट्रिक-पास व्यक्ति को आजकल के एम.ए. पास वालों से बेहतर मानते हैं। उनके इस कथन से यह प्रतीत होता है कि वे अपने समय के पढ़े-लिखों को अच्छा समझते हैं। उनके मन में आज के युवकों की पढ़ाई के प्रति तिरस्कार की भावना भरी है। ऐसा करके वे आजकल के युवाओं पर दबदबा बनाना चाहते हैं।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।
जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।
हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

b. भारत देश मुझे अपने प्राणों से भी अधिक प्रिय है। मुझे अपने भारतीय होने पर गर्व का अनुभव होता है। मेरा देश संसार के सभी देशों से निराला है और संसार के सब देशों से प्यारा है। मैं भारत को विश्व के शक्तिशाली देश के रूप में देखना चाहता

हूँ। मैं ऐसे भारत का सपना देखता हूँ, जो भ्रष्टाचार, शोषण और हिंसा से मुक्त हो। मेरे सपनों का भारत 'सुशिक्षित भारत' है। उसमें अनपढ़ता, निरक्षरता और बेरोज़गारी का कोई स्थान नहीं है। मैं चाहता हूँ कि हमारे देश के नियोजक ऐसी शिक्षा लागू करें, जिसके बाद व्यवसाय या नौकरियाँ सुरक्षित हों। कोई भी व्यक्ति अशिक्षित न हो और कोई भी शिक्षित बेरोज़गार न हो। मैं चाहता हूँ कि भारत सांप्रदायिक दंगों-झगड़ों से दूर रहे। सब में आपसी भाईचारा और प्रेम का संबंध हो। राष्ट्रीय एकता का संचार हो। जो सम्मान भारत का प्राचीन काल में था वही सम्मान मैं पुनः उसे प्राप्त कराना चाहता हूँ।

मैं फिर से रामराज्य की कल्पना करता हूँ, जिसमें सभी लोगों को जीने के समान अवसर प्राप्त हो सकें। भारत एक बार फिर 'सोने की चिड़िया' बन जाए। मेरे सपनों का भारत वह होगा, जो राजनीतिक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और वैज्ञानिक आदि विभिन्न दृष्टियों से उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। भावी भारत के सपनों की पूर्णता के लिए आवश्यक है कि हमारे देश का प्रत्येक नागरिक देश की प्रत्येक कुरीति को समूल नष्ट करने का दृढ़ संकल्प करें।

c. वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त है। 'ग्लोबल वार्मिंग' शब्द का अर्थ है'संपूर्ण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना।' हमारी पृथ्वी पर वायुमंडल की एक परत है, जो विभिन्न गैसों से मिलकर बनी है, जिसे ओज़ोन परत कहते हैं। ये ओज़ोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी तथा अन्य हानिकारक किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। मानवीय क्रियाओं द्वारा ओज़ोन परत में छिद्र हो जाने के कारण सूर्य की हानिकारक किरणें पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर रही हैं।

परिणामस्वरूप पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई समुद्री तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीव-जंतुओं की प्रजातियों के अस्तित्व पर खतरा छाया हुआ है, साथ ही मनुष्यों को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय नहीं किए, तो हमारी पृथ्वी जीवन के योग्य नहीं रह जाएगी। इसे रोकने के लिए हमें प्रदूषण को कम करना होगा। साथ ही कार्बन डाइऑक्साइड सहित अन्य गैसों के उत्सर्जन में कमी तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा, जिससे प्रकृति में पर्यावरण संबंधी संतुलन बना रहे।

24. संपादक महोदय,

दैनिक जागरण,

एफ ब्लाक, सेक्टर-62,

नोएडा, उत्तर प्रदेश।

दिनांकः 01 मार्च, 2019

विषय-स्वरचित कविता छपवाने के संबंध में

मान्यवर,

निवेदन यह है कि आपके लोकप्रिय समाचार पत्र के रविवारीय परिशिष्ट में स्वरचित कविता प्रकाशनार्थ भेज रहा हूँ। इस कविता में प्रातःकालीन सौंदर्य और प्रातःकाल उठकर उपवन में घूमने-फिरने की प्रेरणा निहित है। प्रातः माता-पिता बच्चों के देर तक सोते रहने की शिकायत करते हैं। छुट्टियों के दिन तो वे ऐसा अवश्य करते हैं। मुझे विश्वास है कि यह कविता पढ़कर बच्चों को प्रातःकालीन सौंदर्य देखने की इच्छा उत्पन्न होगी और उनमें सवेरे जल्दी बिस्तर छोड़ने की आदत विकसित होगी।

मेरी यह रचना पूर्णतया मौलिक तथा पूर्व में कहीं भी प्रकाशित नहीं हुई है। इससे पहले मेरी दो रचनाएँ चंदामामा में प्रकाशित हो चुकी हैं। आशा है कि आप रचना को प्रकाशित कर मेरा उत्साहवर्धन करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,

आशीष,

17/पी, कैलाशपुरी,

दिल्ली।

OR

बी-275/4,

साध नगर, गोविन्द नगर,

पटना (बिहार)।

02 मार्च, 2019

प्रिय अनुज,

मधुर स्नेह।

तुम्हारा पत्र मिला । पढ़कर सब हाल मालूम किया। तुम वहाँ सकुशल हो, यह जानकर खुशी हुई। मैं इस पत्र के माध्यम से बताना चाहता हूँ कि अच्छे ग्रेड लाने के लिए कैसे तैयारी करो।

अनुज, तुम्हारी परीक्षाएँ मार्च के प्रथम सप्ताह से आरंभ होंगी। अब तुम कम-से-कम पाँच घंटे पढ़ने की समय सारिणी बना लो। अर्थात् प्रत्येक विषय के लिए एक घंटा समय निकालो। कुछ छात्र कठिन विषयों को खूब पढ़ते हैं पर आसान समझे जाने वाले विषयों की ओर देखते भी नहीं हैं। परिणामस्वरूप आसान समझे जाने वाले विषयों में ही उनके अच्छे ग्रेड नहीं आ पाते हैं। हाँ, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के लिए अतिरिक्त समय पढ़ाई करो। इन दो विषयों के लिए प्रातःकाल का अध्ययन बेहतर रहेगा। प्रातःकाल का समय पढ़ाई के लिए सर्वोत्तम होता है, इसलिए प्रातः पढ़ाई करो। मेरी शुभकामनाएँ भी तुम्हारे साथ हैं। पत्र में लिखना मेरी सलाह को तुमने कितना अपनाया। पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा अग्रज,

धीरेन्द्र

25. **मोहित** - राहुल! तुम आजकल कहाँ रहते हो? बड़े दिनों से नज़र ही नहीं आए।

राहुल - मित्र! मैं आजकल आगरा में रह रहा हूँ। तुम कहाँ रहते हो?

मोहित - पिताजी का स्थानान्तरण दिल्ली होने के कारण हम सपरिवार वहीं चले गए थे। और अब वहीं रह रहे हैं।

राहुल - तुम यहाँ कैसे और वहाँ किस विद्यालय में पढ़ते हो?

मोहित - मित्र! मैं यहाँ अपनी नानी के पास छुट्टियाँ बिताने आया हूँ। दिल्ली में मैं केंद्रीय विद्यालय में पढ़ता हूँ।

राहुल - मोहित! तुम खेल के मैदान में जाते हो?

मोहित - मित्र! मैं शाम को खेल के मैदान में जाता हूँ।

राहुल - मोहित! तुम वहाँ क्या खेलते हो?

मोहित - राहुल! मैं वहाँ मित्रों के साथ फुटबॉल खेलता हूँ।

राहुल - मुझे भी फुटबॉल खेलना अच्छा लगता है। क्या मैं आज तुम्हारे साथ खेलूँ?

मोहित - हाँ-हाँ, क्यों नहीं। चलो, हम सब साथ खेलते हैं।

OR

मोहित - हैलो श्रवण, पहचाना? मैं मोहित बोल रहा हूँ।

श्रवण - अरे ! मित्र को भी भला भुलाया जा सकता है। हाँ, मोहित बोलो। आज इतने दिनों बाद इस मित्र को कैसे याद किया ?

मोहित - बस तुमसे मिलने का मन हुआ तो तुम्हें फोन कर दिया। श्रवण, कल मेरे छोटे भाई का जन्मदिवस है, इस अवसर पर मैं तुम्हें आमंत्रित कर रहा हूँ।

श्रवण - अच्छा, बहुत-बहुत बधाई हो।

मोहित - मैंने अपने अन्य मित्रों को भी निमंत्रित किया है, अगर तुम भी आओगे तो मुझे अत्यधिक प्रसन्नता होगी।

श्रवण - अरे मोहित! तुम ऐसा क्यों कह रहे हो, तुम्हारा भाई मेरे भाई के ही समान है।

मोहित- और हाँ, तुम अकेले नहीं, पूरे परिवार सहित आओगे।

श्रवण - अच्छा, तुमने जगह नहीं बताई।

मोहित - तुम्हारे आने की खुशी में मैं बताना ही भूल गया। अभी मैं जगह का नाम और पता अपने मोबाइल से तुम्हें एस.एम.एस. कर देता हूँ।

श्रवण - वैसे यह आयोजन कहाँ हो रहा है?

मोहित - तुम्हारे घर के पास जो गोल्डन गेट बैंक्वेट हॉल है, वहीं पर है।

श्रवण - यह तो और भी अच्छी बात है। मेरे योग्य कोई काम हो तो बताओ।

मोहित - तुम्हारी और तुम्हारे परिवार की उपस्थिति मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है। अवश्य आना।

श्रवण - ठीक है, कल सात बजे हॉल में मिलते हैं।

मोहित - धन्यवाद।

26. **परीक्षा संकट में फंसा बेचारा विद्यार्थी**

विद्यार्थी और परीक्षा दोनी में घनिष्ठ संबंध है क्योंकि विद्यार्थी जीवन परीक्षा के बिना पूर्ण नहीं होता। बोर्ड की परीक्षाएँ शुरू होने वाली थी गोविन्द का बुरा हाल था पूरा साल तो उसने मौज-मस्ती में बिता दिया था एक महीने बाद क्या होगा। पापा ने उसका टाईमटेबल बना दिया था घर से निकलने की मनाही थी, मम्मी को भी उसपर नजर रखने का सख्त आदेश था, मोबाइल की घंटी बंद कर दी गई थी। बेचारा गोविन्द उसका तो बुरा हाल था, कुर्सी पर बैठ कर लगातार पढ़ाई करना उसको दिन में ही तारे दिखा रहा था। गणित के सवाल, इतिहास के प्रश्नों की खिचड़ी उसके दिमाग में पक रही थी। पढ़ाई करने में उसका मन नहीं लग रहा था उसे लग रहा था कि वह अच्छे नंबरों से तो दूर बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण ही नहीं कर पायेगा। तभी बगल के कमरे से उसे पापा की आवाज सुनाई दी जो फोन पर दादाजी से बात करते हुए उन्हें बता रहे थे कि गोविन्द कितनी लगन से पढ़ाई कर रहा है और उनको विश्वास था कि गोविन्द के अच्छे नंबर अवश्य आयेंगे, पापा के इस विश्वास ने बेचारे गोविन्द को इस परीक्षा संकट का सामना करने के लिए तैयार कर दिया था।

OR

गंगा नदी से हुई एक मुलाकात

काशी में गंगा के किनारे बैठी राधिका के हाथों में एक समाचार पत्र था जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का इंटरव्यू छपा था जिसमें गंगा नदी में व्याप्त गन्दगी के प्रति उन्होंने अपनी चिन्ता अभिव्यक्त की थी। प्रधानमंत्री जी के शब्दों में राधिका को गंगा बोलती नजर आ ही थी जो अपनी व्यथा बता रही थी कि किस प्रकार लोग उसे दूषित कर रहे हैं, उसमें प्लास्टिक, रसायन और न जाने कैसे-कैसें अपदार्थ फेंक रहे हैं।

अपने पूर्व के दिनों को याद करती गंगा कहती है कि भगीरथ के द्वारा की गई तपस्या के उपरान्त ब्रह्मा के कमण्डल से उत्पन्न शिव की जटाओं का आश्रय लेती हुई इस धरती पर उनका आगमन हुआ था। सैंकड़ों वर्षों से भारत की धरती को पवित्र करने वाली गंगा आज स्वयं को शुद्ध करने के लिए हम मनुष्यों का मुख देख रही है।

अचानक राधिका को महसूस हुआ कि गंगा की आँखों से झरझर आँसू गिर रहे हैं और वह हाथ जोड़कर अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए गुहार कर रही है। राधिका को सब कुछ धूमिल-धूमिल सा लग रहा था, उसने गंगा जल को स्पर्श किया और मन ही मन कुछ निर्णय लेकर घर को ओर चल दी क्योंकि कल से उसे कुछ नया करना था।